एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 6 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

प्रश्न–पत्र 7 काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

प्रश्न–पत्र 8 प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रश्न–पत्र 9 भारतीय साहित्य

प्रश्न–पत्र 10(1) कबीरदास

प्रश्न–पत्र 10(।।) तुलसीदास

प्रश्न–पत्र 10(।।।) सूरदास

प्रश्न–पत्र 10(IV) रीतिकाल

प्रश्न–पत्र 10(V) राजभाषा–प्रशिक्षण

प्रश्न–पत्र 10(VI) कोश–विज्ञान

प्रश्न–पत्र 10(VII) हरियाणा का हिन्दी साहित्य

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 6 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है।–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ पुस्तक (विद्यापति की पदावली) में से छः अवतरण दिए जायेंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी । यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा । अवतरण शत–प्रतिशत विकल्प सहित होंगे ।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है । आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित कवियों (कबीर, तुलसी) और उनकी रचनाओं पर आधारित छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 45 (3 X 15) अंकों का होगा ।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। यहाँ पाँच कवियों (सरहपाद, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, नन्ददास, मीराबाई) तथा उनकी कृतियों का द्रुतपाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में प्रत्येक कवि से संबंधित दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा । इस खण्ड के लिए 15 (5 X 3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। यहाँ खण्ड–क और खण्ड–ख में नियत तीनों कवियों और उनकी रचनाओं पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे । इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा । यह खण्ड 10 (10 X 1) अंकों का होगा ।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. विद्यापति पदावली, सं. – रामवृक्ष बेनीपुरी; (वन्दना, नखशिख, प्रेम प्रसंग, वसन्त, विरह–कुल पांच खण्ड)

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय :

1. कबीर : व्यक्तित्व और युग; भक्तिभावना, निर्गुण का स्वरूप, रहस्य–साधना; विद्रोह और समाज दर्शन; भाषा; कवि के रूप में कबीर; निर्गुण काव्यधारा में कबीर का स्थान; कबीर और तुलसी के राम में अंतर, ना हिन्दू, ना मुसलमान।
2. तुलसीदास : व्यक्तित्व और युग; दार्शनिक चेतना; भक्तिभावना; लोकमंगल की भावना; रामराज्य की कल्पना, यथार्थबोध; रामचरितमानस : भरतचरित्र, चित्रकूट का महत्त्व, प्रबंध कल्पना; कवितावली का काव्य–सौष्ठव; रामकाव्यधारा में तुलसीदास का स्थान ।

सन्दर्भ–सामग्री :

1. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; विद्यापति; नंद किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी, 1979
2. शिव प्रसाद सिंह; विद्यापति; हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1961
3. राजदेव सिंह; हिन्दी की निर्गुणकाव्यधारा और कबीर, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1980

4. सरनाम सिंह शर्मा; कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धान्त; भारतीय शोध संस्थान, जयपुर, 1969
5. भाग्यवती सिंह; तुलसीदास की काव्यकला; सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा; 1962
6. हरिश्चन्द्र वर्मा; तुलसी साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन; संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1983
7. संभावना; (तुलसी विशेषांक); हिन्दी विभाग, कु.वि.कुरुक्षेत्र, 1975

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 7 काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है – (क) आलोचनात्मक प्रश्न, (ख) लघूत्तरी प्रश्न (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (घ) व्यावहारिक समीक्षा ।
2- खण्ड–(क) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। इसमें निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 60 (3 X 20) अंक निर्धारित हैं।
3- प्रश्न–पत्र में समूचे पाठ्य विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर 250 शब्दों का होगा। इसके लिए 20 (5X 4) अंक निर्धारित हैं।
4- समूचे पाठ्य विषयों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 10 (10 X 1) अंक निर्धारित हैं।
5- खण्ड–घ के अन्तर्गत कोई एक काव्यांश दिया जाएगा, जिसकी व्यावहारिक समीक्षा लिखनी होगी। इस खण्ड के लिए 10 अंक निर्धारित है।

पाठ्य विषय

1. संस्कृत काव्यशास्त्र

काव्य लक्षण :	काव्य हेतु; काव्य प्रयोजन; काव्य प्रकार ।
रस सिद्धान्त :	रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग (अवयव), साधारणीकरण, सहृदय की अवधाारणा।
अलंकार सिद्धान्त :	मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण ।
रीति सिद्धान्त :	रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।
वक्रोक्ति सिद्धान्त :	वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।
ध्वनि सिद्धान्त :	ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूतव्यंग्य, चित्रकाव्य ।
औचित्य सिद्धान्त :	प्रमुख स्थापनाएं और औचित्य के भेद

1. हिन्दी काव्यशास्त्र एवं समीक्षा पद्धतियां

लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि शिक्षा :	केशवदास, चिन्तामणि, कुलपति, देव, पद्माकर, मतिराम के सन्दर्भ में।
आलोचनात्मक पद्धतियाँ :	शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय ।

खण्ड–घ व्यावहारिक समीक्षा

प्रश्न–पत्र में पूछे गए किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा ।

सन्दर्भ–सामग्री :

1. साहित्यालोचन, श्यामसुन्दरदास, इंडियन प्रेस; प्रयाग, 1942
2- काव्य के रूप, गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मन्दिर; दिल्ली, 1947
3- काव्यशास्त्र; भगीरथ मिश्र; विश्वविद्यालय प्रकाशन; वाराणसी, 1974

4- सिद्धान्त और अध्ययन; गुलाबराय; आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 1980
5- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका; नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली; 1953
6- शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त (दो भाग) गोविन्द त्रिगुणायत; भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली, 1970
7- भारतीय काव्यशास्त्र; कृष्णबल; राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1959
8- भारतीय काव्यशास्त्र; सत्यदेव चौधरी; अलंकार प्रकाशन, दिल्ली, 1974
9- भारतीय काव्यसिद्धान्त; काका कालेलकर; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1969

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 8 प्रयोजनमूलक हिन्दी

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है।–प्रत्येक खण्ड से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक–एक का उत्तर देना होगा । इसके लिए 60(4 X 15) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठ्य विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इसके लिए 20 (5 X 4) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्य विषयों पर आधारित बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके लिए 20(20 X 1) अंक निर्धारित हैं। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठ्य विषय :

खण्ड–क

हिन्दी के विभिन्न स्वरूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा; कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य : प्रारूपण, पत्र–लेखन, पल्लवन, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व; निर्माण के सिद्धान्त, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

खण्ड–ख

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र; वेब पब्लिशिंग का परिचय; इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय; प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र; इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप अथवा नेटस्केप लिंक; ब्राउजिंग; ई–मेल प्रेषण/ग्रहण; हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल; डाउनलोडिंग व अपलोडिंग; हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड–ग

पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार; समाचार लेखन कला; सम्पादन के आधारभूत तत्त्व, व्यावहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक की संरचना, इंट्रो एवं शीर्षक सम्पादन

खण्ड–घ

सम्पादकीय लेखन; पृष्ठ–सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार–वार्त्ता एवं प्रेस प्रबंधन; प्रमुख प्रेस–कानून एवं आचार संहिता

सन्दर्भ–सामग्री :

1. विनोद कुमार प्रसाद; भाषा और प्रौद्योगिकी; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. प्रेमचंद पतंजलि; व्यावसायिक हिन्दी; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. प्रेमचन्द पतंजलि : आधुनिक विज्ञापन;नई दिल्ली ।
4. विनोद गोदरे; प्रयोजनमूलक हिन्दी, नई दिल्ली ।
5. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव; प्रयोजनमूलक हिन्दी; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।
6. दंगल झाल्टे; प्रयोजनमूलक हिन्दी; सिद्धान्त और प्रयोग; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी; टिप्पणी प्रारूप; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. शिवनारायण चतुर्वेदी; प्रालेखन प्रारूप; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

9. मणिक मृगेश; राजभाषा विविधा; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10. कैलाश चन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
11. महेश चन्द्र गुप्त; प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. रहमतुल्लाह; व्यावसायिक हिन्दी; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 9 भारतीय साहित्य

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है।–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–क सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक 'वर्षा की सुबह' में से छः अवतरण वैकल्पिक रूप में दिए जायेंगे, जिनमें से–तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–ख आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 45 (3 X 15) अंकों का होगा।
4. खण्ड–ग लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित पाठ्स विषयों में से दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15(5 X 3) अंक निर्धारित है।
5. खण्ड–घ वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। यहाँ व्याख्यार्थ निर्धारित पाठ्यपुस्तक पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 10(10 X 1) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :–

1. वर्षा की सुबह (उड़िया कविता) सीताकान्त महापात्र।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

1. भारतीय साहित्य और भारतीयता

   भारतीय साहित्य का स्वरूप; भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं; भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब; भारतीयता का समाजशास्त्र; हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

2. बंगला और हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : बंगला वैष्णव काव्य परम्परा और हिन्दी भक्तिकाल; बंगला–हिन्दी नाथ साहित्य; बंगला मुस्लिम साहित्य और हिन्दी सूफी काव्य; बंकिमचन्द्र और भारतेंदु; नज़रूल इस्लाम और निराला; आधुनिक बंगला–हिन्दी गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)

सन्दर्भ सामग्री

1. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, फोर्ट विलियम कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 1948
2. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य की कथा, हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2009 (वि.)
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीन धर्म साधना, साहित्य भवन, इलाहाबाद 2013 सं.
4. परशुराम चतुर्वेदी, मध्यकालीन प्रेम साधना, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1952
5. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', रवीन्द्र कविता कानन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1955
6. नगेन्द्र नाथ गुप्त, विद्यापति ठाकुर की पदावली, इण्डियन प्रैस, प्रयाग, 1910
7. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 1970